Govt. Niranjan Kesharwani College, Kota
Dist.-Bilaspur (C.G.)

NAAC accredited (Cycle-II) with CGPA 2.55 in September 2015

E-Mail ID. : gnkckota@gmail.com
Website : https://gnkckota.ac.in
Telephone No : 07753-253210
Special College Code : 2809
AISHE Code : C-22387

कोविड संक्रमण का बदलता स्वरूप एवं बचाव के उपाय
(कोविड-19 जागरूकता कार्यक्रम)
दिनांक : 08.02.2022

यूथ रेडक्रॉस सोसायटी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कोविड-19 जागरूकता कार्यक्रम

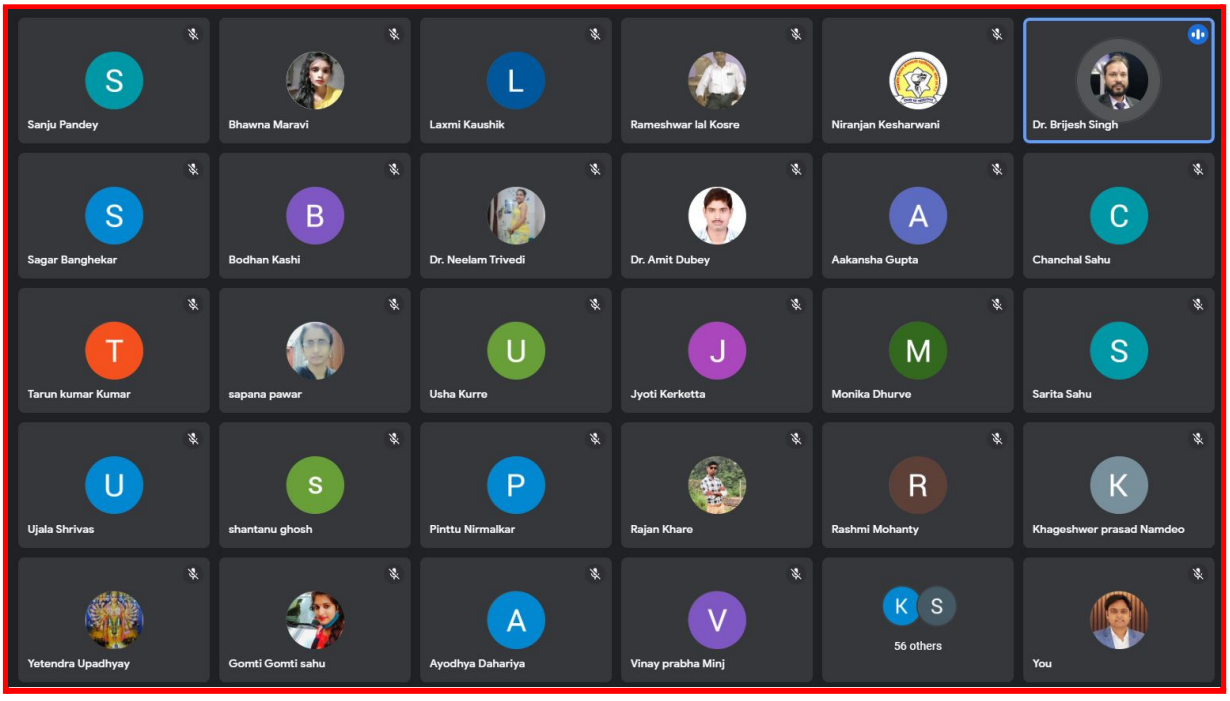
Sanju Pandey
Bhawna Maravi
Laxmi Kaushik
Rameshwar lal Kosre
Niranjan Kesharwani
Dr. Brijesh Singh
Sagar Banghekar
Bodhan Kashi
Dr. Neelam Trivedi
Dr. Amit Dubey
Aakansha Gupta
Chanchal Sahu
Tarun kumar Kumar
sapana pawar
Usha Kurre
Jyoti Kerketta
Monika Dhurve
Sarita Sahu
Ujala Shrivas
shantanu ghosh
Pinttu Nirmalkar
Rajan Khare
Rashmi Mohanty
Khageshwer prasad Namdeo
Yetendra Upadhyay
Gomti Gomti sahu
Ayodhya Dahariya
Vinay prabha Minj
56 others
You

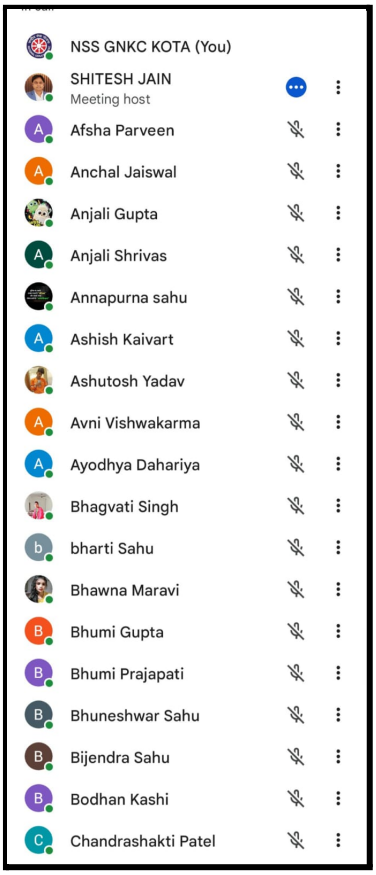
NSS GNKC KOTA (You)
SHITESH JAIN
Meeting host
Afsha Parveen
Anchal Jaiswal
Anjali Gupta
Anjali Shrivas
Annapurna sahu
Ashish Kaivart
Ashutosh Yadav
Avni Vishwakarma
Ayodhya Dahariya
Bhagvati Singh
bharti Sahu
Bhawna Maravi
Bhumi Gupta
Bhumi Prajapati
Bhuneshwar Sahu
Bijendra Sahu
Bodhan Kashi
Chandrashakti Patel

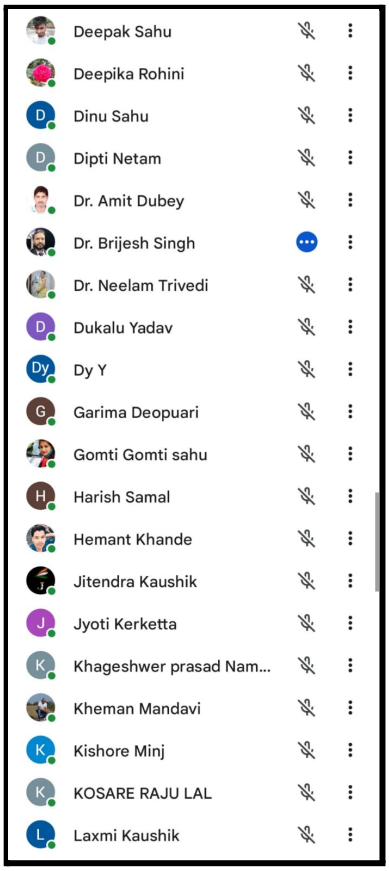
Deepak Sahu
Deepika Rohini
Dinu Sahu
Dipti Netam
Dr. Amit Dubey
Dr. Brijesh Singh
Dr. Neelam Trivedi
Dukalu Yadav
Dy Y
Garima Deopuari
Gomti Gomti sahu
Harish Samal
Hemant Khande
Jitendra Kaushik
Jyoti Kerketta
Khageshwer prasad Nam...
Kheman Mandavi
Kishore Minj
KOSARE RAJU LAL
Laxmi Kaushik

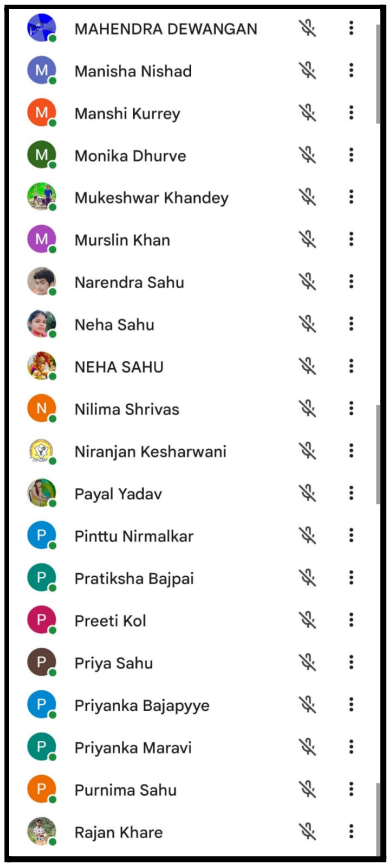
MAHENDRA DEWANGAN
Manisha Nishad
Manshi Kurrey
Monika Dhurve
Mukeshwar Khandey
Murslin Khan
Narendra Sahu
Neha Sahu
NEHA SAHU
Nilima Shrivas
Niranjan Kesharwani
Payal Yadav
Pinttu Nirmalkar
Pratiksha Bajpai
Preeti Kol
Priya Sahu
Priyanka Bajapyye
Priyanka Maravi
Purnima Sahu
Rajan Khare

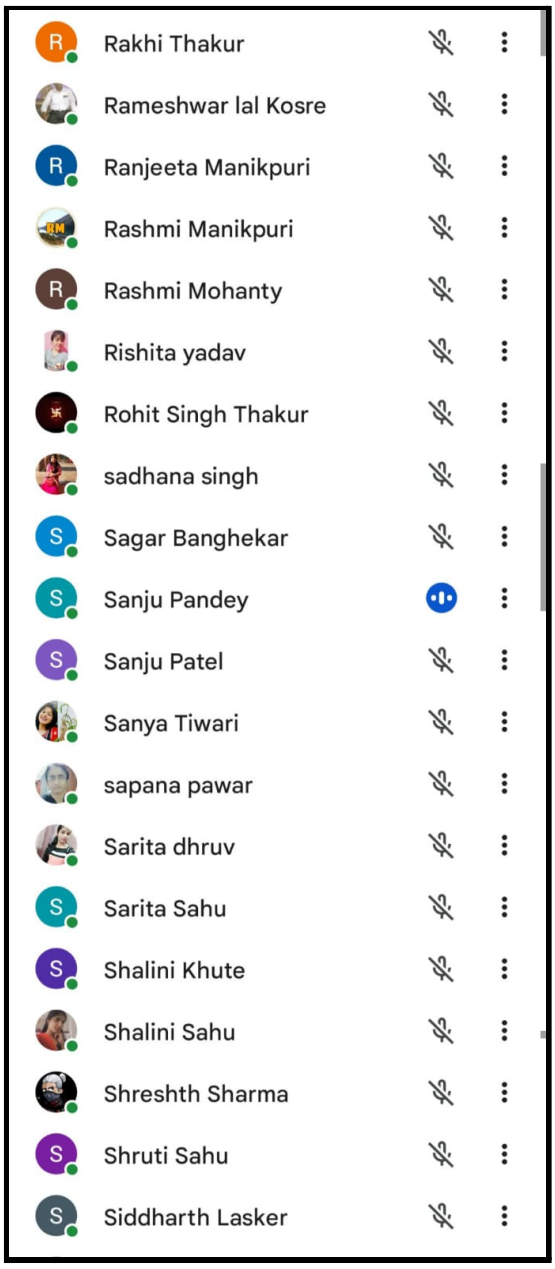
Rakhi Thakur
Rameshwar lal Kosre
Ranjeeta Manikpuri
Rashmi Manikpuri
Rashmi Mohanty
Rishita yadav
Rohit Singh Thakur
sadhana singh
Sagar Banghekar
Sanju Pandey
Sanju Patel
Sanya Tiwari
sapana pawar
Sarita dhruv
Sarita Sahu
Shalini Khute
Shalini Sahu
Shreshth Sharma
Shruti Sahu
Siddharth Lasker

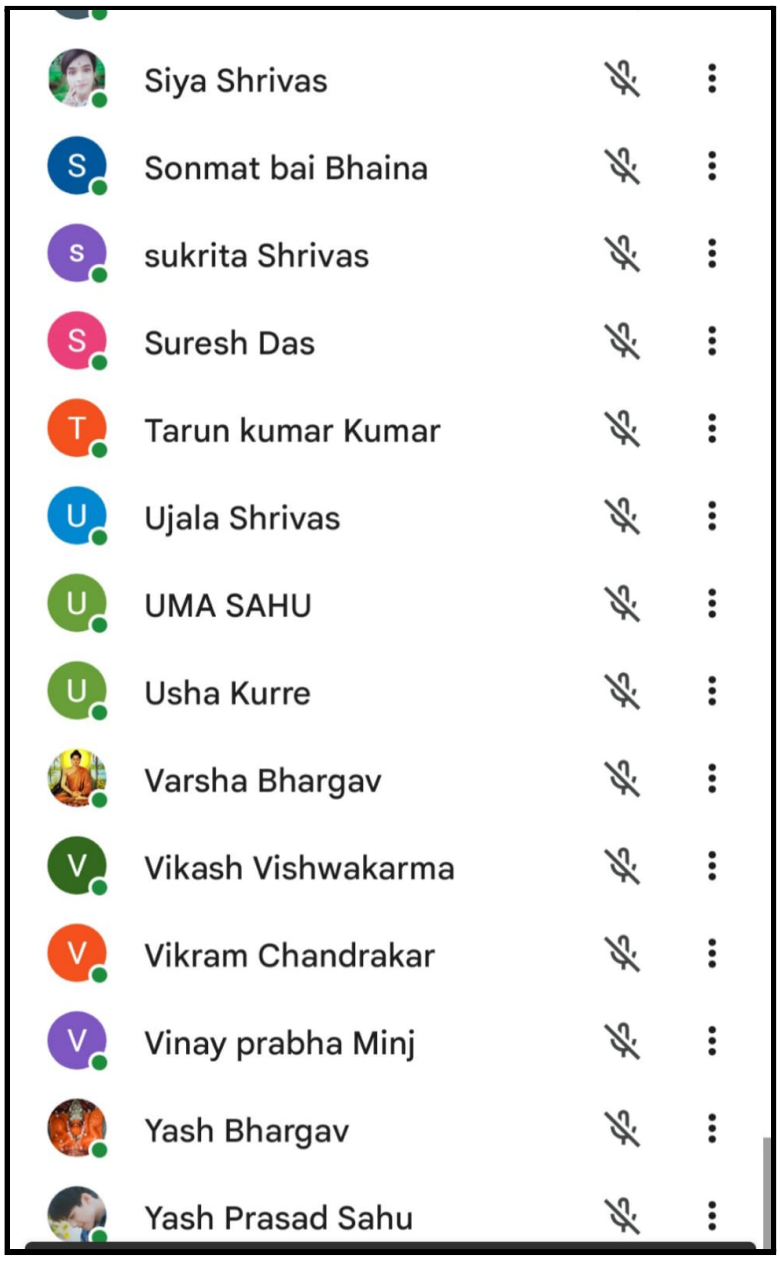
Siya Shrivas
Sonmat bai Bhaina
sukrita Shrivas
Suresh Das
Tarun kumar Kumar
Ujala Shrivas
UMA SAHU
Usha Kurre
Varsha Bhargav
Vikash Vishwakarma
Vikram Chandrakar
Vinay prabha Minj
Yash Bhargav
Yash Prasad Sahu

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Bilaspur Main - 10 Feb 2022 - 10bsp 7

मजबूत इम्यूनिटी से ही कोरोना से होगा बचावः डॉ. सिंह

निरंजन केशरवानी कॉलेज में कोविड जागरूकता कार्यक्रम

करगीरोड कोटा. कोरोना वायरस के संक्रमण के बदलते स्वरूप डेल्टा एवं ओमिक्रॉन वेरिएंट को पहचानने और कोरोना को लेकर लोगों में फैली विभिन्न भ्रांतियों एवं अंधविश्वासों को दूर कर कोविड से बचाव के उपायों की जानकारी के प्रसार के उद्देश्य से शासकीय निरंजन केशरवानी महाविद्यालय कोटा की यूथ रेड क्रॉस सोसायटी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में कोरोना जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शासकीय आयुर्वेद कॉलेज हॉस्पिटल के शल्य तन्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश सिंह ने कोरोना के बदलते स्वरुप और इसके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले विभिन्न प्रभावों से संबन्धित व्यावहारिक पहलुओं पर जानकारी प्रदान की. उन्होंने बताया कि ओमीक्रॉन के संक्रमण में हल्का बुखार, सर्दी, थकान और गले में खराश जैसे लक्षण ज्यादा देखे जा रहे हैं. वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव इम्यूनिटी के विकास से ही संभव है. इसके लिए हमें मेडिकल साइंस के साथ-साथ योग, प्राणायाम और प्रकृति के द्वारा प्रदत्त बहुमूल्य आयुर्वेदिक औषधियों का भी प्रयोग करना होगा. डॉ. साधना सिंह आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर बनारस ने इलाज से बेहतर रोकथाम है के विचार पर बल दिया. सुश्री सानिया तिवारी जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज रायपुर ने खुद ही नहीं सबको बचाओ की भावना पर बल देते हुए कोविड संक्रमण से बचने के एलोपैथिक इलाज की विस्तृत जानकारी प्रदान की. महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बी. एल. काशी ने बताया कि सकारात्मक सोच, सामूहिक जिम्मेदारी और जन जागरूकता के माध्यम से ही कोरोना को समाप्त किया जा सकता है. कार्यक्रम की संयोजक रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. संजू पाण्डेय ने कहा कि संकट काल के दौरान, कोविड वारियर्स और फ्रंटलाइन वर्कर्स के प्रयास और समर्पण अनुकरणीय हैं.कार्यक्रम अधिकारी शितेष जैन ने भी बातें रखी. इसके पश्चात विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों की विभिन्न शंकाओं का समाधान किया गया.

वैक्सीनेशन से इन्फेक्शन रेट हो जाता है कम

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. अमित दुबे ग्रामीण चिकित्सा सहायक ने बताया कि कोरोना की चेन को तोड़ने के लिए मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग आदि विभिन्न उपायों के साथ वैक्सीनेशन को जरूरी बताते हुए कहा कि वैक्सीनेशन का कोई साइड इफेक्ट नहीं है. वैक्सीनेशन होने से शरीर के अंदर एंटीबॉडी बनने शुरू हो जाते हैं और इन्फेक्शन रेट कम हो जाता है. यदि किसी व्यक्ति को दो वैक्सीनेशन के बाद इंफेक्शन हो भी जाता है तो वह इंफेक्शन मामूली होगा और व्यक्ति की मृत्यु नहीं होगी.

निरंजन केशरवानी कॉलेज में कोविड जागरूकता पर कार्यक्रम

कोरोना संक्रमण से बचने वैक्सीनेशन व आयुर्वेद आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मरवाही

कोरोना वायरस के संक्रमण के बदलते स्वरूप डेल्टा एवं ओमिक्रॉन वैरिएंट को पहचानने और कोरोना को लेकर लोगों में फैली विभिन्न भ्रांतियों एवं अंधविश्वासों को दूर कर कोविड से बचाव के उपायों की जानकारी के प्रसार के उद्देश्य से अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर से संबद्ध शासकीय निरंजन केशरवानी महाविद्यालय कोटा की यूथ रेड क्रॉस सोसायटी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में कोरोना जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शासकीय आयुर्वेद कॉलेज हॉस्पिटल बिलासपुर के शल्य तन्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश सिंह ने कोरोना के बदलते स्वरुप और इसके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले विभिन्न प्रभावों से संबन्धित व्यावहारिक पहलुओं पर जानकारी प्रदान की। आयोजन सचिव डॉ. नीलम त्रिवेदी द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए दिन-रात अपना फर्ज निभा रहे सभी डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्य कर्मचारी, पुलिस, प्रशासनिक

अधिकारी, सफाई कर्मचारी, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया और कोरोना योद्धाओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस कोविड जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक तथा रासेयो स्वयंसेवकों की सराहनीय भूमिका रही।

बचाव के सभी उपाय अपनाएं

ग्रामीण चिकित्सा सहायक, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र करगीकला डॉ. अमित दुबे ने कोरोना की चेन को तोड़ने के लिए मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग आदि विभिन्न उपायों के साथ वैक्सीनेशन को जरूरी बताते हुए कहा कि वैक्सीनेशन का कोई साइड इफेक्ट नहीं है। कोरोना से बचाव के सभी उपाय अपनाएं।

इलाज के बेहतर रोकथाम

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर बनारस डॉ. साधना सिंह ने इलाज से बेहतर रोकथाम है के विचार पर बल दिया। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न आयुर्वेदिक औषधियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। विशिष्ट अतिथि सानिया तिवारी जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज रायपुर ने खुद ही नहीं सबको बचाओ की भावना पर बल देते हुए कोविड संक्रमण से बचने के एलोपैथिक इलाज की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अध्यक्ष और महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बी.एल काशी ने बताया कि सकारात्मक सोच, सामूहिक जिम्मेदारी और जन जागरूकता के माध्यम से ही कोरोना को समाप्त किया जा सकता है।

दैनिक भास्कर बिलासपुर भास्कर 11-02-2022

योग व प्राणायाम जरूरी हैः डॉ. सिंह

निरंजन केशरवानी कॉलेज में कोविड जागरूकता कार्यक्रम

सिटी रिपोर्टर | बिलासपुर

कोरोना वायरस के संक्रमण के बदलते स्वरूप डेल्टा एवं ओमिक्रॉन वेरिएंट को पहचानने और कोरोना को लेकर लोगों में फैली विभिन्न भ्रांतियों एवं अंधविश्वासों को दूर कर इससे बचाव के उपायों को लेकर शासकीय निरंजन केशरवानी कॉलेज की यूथ रेड क्रॉस सोसायटी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य अतिथि शासकीय आयुर्वेद कॉलेज के शल्य तन्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश सिंह रहे। उन्होंने बताया कि वर्तमान वेरिएंट दूसरे वेरिएंट से 70% ज्यादा सक्रिय है, लेकिन इसकी मृत्यु दर अत्यंत कम है। इसके अतिरिक्त उन्होंने सामाजिक दूरी की जगह शारीरिक दूरी बनाए रखने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि ने घरेलू उपाय के साथ-साथ

योग एवं प्राणायाम करने पर विशेष जोर दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. अमित दुबे रहे। उन्होंने ने सभी को कोरोना से बचाव के लिए उचित व्यवहार अपनाने को कहा। उन्होंने मास्क, सेनेटाइजर एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने को कहा। वहीं डॉ. साधना सिंह ने विभिन्न आयुर्वेदिक औषधियों के बारे में भी विविध जानकारी प्रदान की। सान्या तिवारी ने "खुद ही नहीं सबको बचाओ अर्थात कोविड टीकाकरण के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। मंच संचालन डॉ. संजू पाण्डेय ने किया।

Govt. Niranjan Kesharwani College, Kota
Dist.-Bilaspur (C.G.)

NAAC accredited (Cycle-II) with CGPA 2.55 in September 2015

E-Mail ID. : gnkckota@gmail.com
Website : https://gnkckota.ac.in
Telephone No : 07753-253210
Special College Code : 2809
AISHE Code : C-22387

==========

प्रतिवेदन

कोविड संक्रमण का बदलता स्वरूप एवं बचाव के उपाय
(कोविड-19 जागरूकता कार्यक्रम)
दिनांक : 08.02.2022

कोरोना वायरस के संक्रमण के बदलते स्वरूप डेल्टा एवं ओमिक्रॉन वैरिएंट को पहचानने और कोरोना को लेकर लोगों में फैली विभिन्न भ्रांतियों एवं अंधविश्वासों को दूर कर कोविड से बचाव के उपायों की जानकारी के प्रसार के उद्देश्य से अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर से संबंध शासकीय निरंजन केशरवानी महाविद्यालय कोटा की यूथ रेडक्रॉस सोसायटी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में कोरोना जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शासकीय आयुर्वेद कॉलेज हॉस्पिटल बिलासपुर के शल्य तन्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश सिंह ने कोरोना के बदलते स्वरुप और इसके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले विभिन्न प्रभावों से संबन्धित व्यावहारिक पहलुओं पर जानकारी प्रदान की. उन्होंने अपने सम्बोधन में बताया कि ओमीक्रॉन के संक्रमण में हल्का बुखार, सर्दी, थकान और गले में खराश जैसे लक्षण ज्यादा देखे जा रहे हैं. वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव इम्यूनिटी के विकास से ही संभव है. इसके लिए हमें मेडिकल साइंस के साथ-साथ योग, प्राणायाम और प्रकृति के द्वारा प्रदत्त बहुमूल्य आयुर्वेदिक औषधियों का भी प्रयोग करना होगा. उन्होंने संक्रमण से बचाव के लिए नाक में सरसों या तिल का तेल डालने, गिलोय, नींबू, संतरा, अश्वगंधा, दालचीनी, मुलेठी का काढ़ा आदि का आवश्यकतानुसार सेवन करने आदि के फायदों की जानकारी प्रदान करते हुए सामाजिक दूरी की जगह शारीरिक दूरी बनाए रखने पर जोर दिया.

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. अमित दुबे ग्रामीण चिकित्सा सहायक, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र करगीकला ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में सर्दी, जुकाम, बुखार, सुगंध नहीं आना, स्वाद नहीं आना, सांस लेने में तकलीफ होना और गले का दुखना कोरोना के संक्रमण के लक्षण हैं. उन्होंने कोरोना की चेन को तोड़ने के लिए मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग आदि विभिन्न उपायों के साथ वैक्सीनेशन को जरूरी बताते हुए कहा कि वैक्सीनेशन का कोई साइड इफेक्ट नहीं है. वैक्सीनेशन होने से शरीर के अंदर एंटीबॉडी बनने शुरू हो जाते हैं और इन्फेक्शन रेट कम हो जाता है. यदि किसी व्यक्ति को दो वैक्सीनेशन के बाद इंफेक्शन हो भी जाता है तो वह इंफेक्शन मामूली होगा और कोरोना से उस व्यक्ति की मृत्यु नहीं होगी. परिवारजनों में संक्रमण नहीं फैले इसके लिए सेनेटाइजर का उपयोग अवश्यक करें और कोरोना से बचाव के सभी उपाय अपनाएं.

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि डॉ. साधना सिंह आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर बनारस ने इलाज से बेहतर रोकथाम है के विचार पर बल दिया. इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न आयुर्वेदिक औषधियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की. कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि सुश्री सानिया तिवारी जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज रायपुर ने खुद ही नहीं सबको बचाओ की भावना पर बल देते हुए कोविड संक्रमण से बचने के एलोपैथिक इलाज की विस्तृत जानकारी प्रदान की.

कार्यक्रम के अध्यक्ष और महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बी. एल. काशी ने बताया कि सकारात्मक सोच, सामूहिक जिम्मेदारी और जन जागरूकता के माध्यम से ही कोरोना को समाप्त किया जा सकता है. उन्होंने सभी से मास्क लगाए रखने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने तथा सरकार द्वारा तय की गई गाइडलाइन का पालन करने की बात कही. कार्यक्रम की संयोजक रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. संजू पाण्डेय ने बताया कि कोविड महामारी के कारण अभूतपूर्व स्वास्थ्य संकट देश के सभी हिस्सों को प्रभावित कर रहा है और अपने नागरिकों के जीवन स्तर और आजीविका को बदल रहा है। संकट काल के दौरान, कोविड वारियर्स और फ्रंटलाइन वर्कर्स के प्रयास और समर्पण अनुकरणीय हैं.

कार्यक्रम अधिकारी शितेष जैन ने शत-प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने एवं कोरोना को लेकर विभिन्न वर्गों में फैली भ्रांतियों को दूर करने हेतु स्वयंसेवकों के द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की. इसके पश्चात विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों की विभिन्न शंकाओं का समाधान किया गया. आयोजन सचिव डॉ. नीलम त्रिवेदी के द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए दिन-रात अपना फर्ज़ निभा रहे सभी डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्य कर्मचारी, पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी, सफाई कर्मचारी, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया और कोरोना योद्धाओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया. इस कोविड जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक तथा रासेयो स्वयंसेवकों की सराहनीय भूमिका रही.

(प्रो. शितेष जैन)
कार्यक्रम अधिकारी, रासेयो
शासकीय निरंजन केशरवानी महाविद्यालय कोटा
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

(प्रो. बी. एल. काशी)
प्राचार्य
शासकीय निरंजन केशरवानी महाविद्यालय कोटा
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)